

खबर संक्षेप



चित्रकला प्रतियोगिता में मोनिका यादव द्वितीय

जयसिंहनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में एम/एस चंदेरा संकुल मॉडल स्कूल, जयसिंहनगर की कक्षा 8वीं की छात्रा मोनिका यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा को इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं उच्चकल मविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आज वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन



शहडोल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा 30 सितंबर 2026, बुधवार को दोपहर 12 बजे जयसंरंभ चौक शहडोल में धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में लिए गए विभिन्न निर्णयों एवं मतदाता सूची में किए गए बदलावों की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा की मांग को लेकर आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस द्वारा इस दौरान लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक प्रक्रियाओं की पारदर्शिता तथा मतदाता सूची की निष्पक्षता से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने जिला कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, मोर्चा संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा आमजन से निधरित समय पर जयसंरंभ चौक पहुंचकर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'नमो सेवा' पर नुककड़ नाटक का आयोजन



शहडोल। पंडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल ने सेवा संकल्प अभियान 2026 की अगली कड़ी के रूप में नमो सेवा—अनकही कहानियां विषय पर आधारित प्रभावशाली नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, संवेदना, समान एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को जागृत करना रहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर की गरिमागुरी उपस्थित रही। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुककड़ नाटक की सराहना करते हुए कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद की सहायता करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि युवाओं में ऊर्जा, प्रतिभा और सृजनात्मकता के साथ यदि सेवा की भावना जुड़ जाए, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों को इसी सामाजिक चेतना से जोड़ने का सार्थक माध्यम है।परिसर प्रभारी प्रो. नीता सराफ ने अपने उद्बोधन में कहा कि नुककड़ नाटक समाज तक अपनी बात पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों ने नमो सेवा—अनकही कहानियां के माध्यम से सेवा के उन पहलुओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जो अक्सर हमारी दृष्टि से ओझल रह जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील रहते हुए सेवा और सहयोग की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में प्रो. विनोद शर्मा, प्रो. चेतना सिंह, प्रो. मनीषा तिवारी, प्रो. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. नीलेश वर्मा, अप्रति दुबे, नितिन गर्ग, प्रो. संगीता मैडम सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. धानी जामोद तथा नोडल अधिकारी केप्टन डॉ. जी.एस. सांड्या ने आयोजन के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नुककड़ नाटक की प्रस्तुति ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं दर्शकों को सेवा, मानवीय संवेदना और सामाजिक दायित्व के प्रति चिंतन करने के लिए प्रेरित किया।

शहडोल में जनजातीय विकास के नाम पर कागजी लीपापोती

जब उछाला मीडिया में मामला तो थमाया टेकेदार को पुराना नोटिस

विभागीय कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल

शिकायतकर्ताओं के 50 दिन पुराने शिकायती पत्र पर अब नौद से जागा तंत्र

संदीपनी विद्यालय में छत से पानी टपकने और बजट ठिकाने लगाने के गंभीर आरोप

शहडोल। जनजातीय बाहुल्य शहडोल जिले में आदिवासी विकास के लिए आने वाली सरकारी धनराशि के उपयोग और विभागीय प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक घमासान मच गया है। जनजातीय कार्य विभाग शहडोल के सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा के कार्यकालों पर उठ रहे अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बीच अब कागजी झुनझुने और प्रशासनिक कारनामों का एक नया अध्याय सामने आया है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सातिका प्रसाद तिवारी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय और राजेश द्विवेदी द्वारा की गई सिलसिलेवार शिकायतों और मीडिया में मामला सुर्खियां बनते ही विभाग ने अपनी साख बचाने के लिए आनन-फानन में एक पिछली तारीख का नोटिस जारी किया है।

न कोई समय-सीमा, न किसी की तय जिम्मेदारी

सहायक आयुक्त द्वारा जारी किए गए इस आदेश के मजमून को देखें तो यह प्रशासनिक खानापूति से ज्यादा कुछ नजर नहीं आता। नोटिस में लिखा गया है कि विद्यालय भवन में लगभग 2250 विद्यार्थियों व शिक्षकों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है और बारिश के कारण छत से पानी टपकने व कक्षाओं में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। साहब ने टेकेदार को कार्य तत्काल करने का निर्देश तो दे दिया, लेकिन यह कहीं स्पष्ट नहीं किया कि यह कार्य कितने दिनों के भीतर पूरा होगा और इस गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य की भौतिक निगरानी कौन सा जिम्मेदार तकनीकी अधिकारी करेगा। स्थानीय जानकारों का स्पष्ट कहना है कि जब भी विभाग या साहब पर सीधी आंच आने लगती है, तो टेकेदारों को ऐसा ही बिना समय-सीमा वाला नोटिस थमाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।



धनवाही डैम के पानी में तैरती मिली लाश नौरोजाबाद में हडकंप, हत्या या हादसा

उमरिया।

मंगलवार की दोपहर नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घुलघुली स्थित धनवाही डैम पर उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब डैम के ठहरे हुए पानी में एक अज्ञात युवक का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। जैसे ही पानी की सतह पर तैरती लाश पर ग्रामीणों की नजर पड़ी, इलाके में आग की तरह खबर फैल गई और मौके पर लोगों का हजूम उमड़ पड़ा।

डैम में शव मिलने की सूचना मिलते ही नौरोजाबाद थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने पूरे घटनास्थल का मुआयना किया और मौके से

परिस्थितितजन्म साक्ष्य जुटाए। पानी से शव को बाहर निकालकर पंचनामा कार्रवाई की गई, जिसके बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मृतक की उम्र, हुलिय और कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान की कोशिशें जारी हैं।

अज्ञात युवक धनवाही डैम तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह सवाल फिलहाल हाइवा रहस्य बना हुआ है। पुलिस अग्रसार के गांवों के लोगों से पूछताछ कर रही है और हाल के दिनों में आसपास के थानों में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। क्या यह कोई दर्दनाक हादसा है, आत्महत्या का कदम, या फिर किसी

साजिश के तहत हत्या कर साक्ष्य मिटाने की नीयत से लाश को डैम में फेंका गया है? इन तमाम अनसुलझे सवालों के जवाब तलाशने में पुलिस जुटी हुई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिक तौर पर मृतक की शिनाख्त (पहचान) करना सबसे पहली प्राथमिकता है। शिनाख्त होते ही घटना की कड़ियां जुड़ने लगेंगी। वहीं, मौत का असली कारण क्या रहा—क्या फेफड़ों में पानी जाने से डूबने से मौत हुई या शरीर पर कोई चोट के निशान हैं, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल, इस रहस्यमयी घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

प्रशासन की शह पर समधिन नदी का चीरहरण ब्योहारी में रेत माफिया का कब्जा

रोज सरकार को लग रहा करोड़ों की रॉयल्टी का चूना



शहडोल। जिले के ब्योहारी थाना क्षेत्र में रेत माफिया के हाौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि क्षेत्र का नदी-नाला अब इनके अवैध कारोबार की बलि चढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन की कथित सरपरस्ती और अनदेखी के चलते क्षेत्र में जगह-जगह अवैध रेत के ठीहे (भंडारण) सज गए हैं। दिन-रात चल रहे इस काले कारोबार से जहां प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है, वहीं सरकार को रोजाना करोड़ों रुपये के राजस्व

(खनिज रॉयल्टी) का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दिन में उत्खनन, रात में हाइवा से सल्लाई

स्थानीय लोगों के अनुसार माफिया का नेटवर्क बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा है। ब्योहारी के नजदीकी क्षेत्रों जैसे देवगांव,रसपुर तेंदुआड़ और बराछ में अवैध रेत के बड़े बड़े ठीहे बनाए गए हैं। दिनभर झांपर और समधिन नदी समेत स्थानीय नदी-नालों से दर्जनों ट्रैक्टरों

के जरिए अवैध खनन कर रेत को तय ठीहों पर एकत्र किया जाता है। सूरज ढलते ही इन ठीहों से भारी-भरकम हाइवा ट्रकों में रेत लोड कर बाहरी इलाकों और बड़े शहरों में ऊंचे दामों पर सल्लाई की जाती है।

इन गांवों में समधिन नदी पर डाका

ब्योहारी थाना क्षेत्र का दूसरा हिस्सा भी माफिया की गिरफ्त में अछूता नहीं है। नौडिया, जमोड़ी, भोलहरी, टांगर और खामडाड़ जैसे



जनजातीय कार्य विभाग में 'कमीशनखोरी' का तांडर 2.80 करोड़ स्वाहा, 10 प्रतिशत भी काम नई

जनजातीय कार्य विभाग में 'कमीशनखोरी' का तांडर 2.80 करोड़ स्वाहा, 10 प्रतिशत भी काम नई

7 अगस्त की शिकायत पर 28 सितंबर को जारी हुआ नोटिस

शासकीय दस्तावेज के अनुसार सहायक आयुक्त कार्यालय ने मेसर्स पंकज चतुर्वेदी (उमरिया) को जयसिंहनगर स्थित संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (पूर्व सी.एम. राइज) में छत मरम्मत कार्य में बरती गई घोर अनियमितता को लेकर नोटिस जारी किया है। हालांकि, सबसे बड़ा रहस्य और चर्चा का विषय यह है कि जब शिकायतकर्ताओं ने 7 अगस्त 2026 को ही इस गड़बड़ी का लिखित संदर्भ कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर दिया था, तो फिर इस विभागीय पत्राचार को बाहर आने में लगभग 50 दिनों का समय क्यों लग गया? चर्चा तो यह भी गर्म है कि 29 सितंबर को हरिभूमि में मामला उजागर होने के बाद, विभाग ने विभागीय साख और अधिकारियों की गर्दन फेंसती देख बैक-डेट (28 सितंबर 2026) का कागजी नोटिस थमाकर अपना पल्ला झाड़ने की नाकाम कोशिश की है।

धरातल से दूरी या सांड-गांड

चौंकाने वाली बात यह भी है कि विभागीय बजट से करोड़ों की राशि स्वीकृत होने और आहरित किए जाने के बावजूद अधिकारियों को मौके की जमीनी हकीकत का पता ही नहीं चला। जब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शिकायतकर्ताओं ने धरातल पर पहुंचकर

छात्रहित की मांगों को लेकर एनएसयूआई ने आंख में पट्टी बांधकर सौंपा ज्ञापन

शहडोल। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में पंडित शंभुनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं एवं छात्रहित से जुड़ी मांगों के निराकरण को लेकर कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में बढ़ी हुई घास-फूस एवं झाड़ियों की कटाई कर साफ-सफाई कराने, लंबे समय से लंबित विद्यार्थियों की मार्कशीट शीघ्र उपलब्ध कराने, एनईपी के अंतर्गत आवश्यक पुरतकों को लाइब्रेरी में उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों के लिए कम से कम दो वाटर कूलर लगाए जाने की मांग की गई।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय की सभी कक्षाओं की नियमित साफ-सफाई, जर्जर कक्षाओं एवं भवनों की आवश्यक मरम्मत, परिसर में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की व्यवस्था, ओल्ड कैंपस में स्मार्ट क्लास की सुविधा तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए प्रमुख स्थानों एवं प्रवेश-निकास द्वारों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग भी रखी गई।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि



विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञापन में उल्लेखित छात्रहित की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक एवं प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही

चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द

ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो एनएसयूआई द्वारा छात्रहित में व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष सिमरन

कौर, सोशल मीडिया प्रमुख महेंद्र यादव , विश्वविद्यालय अध्यक्ष दीपांशु गुप्ता,हर्षित श्रीवास्तव, जसवीर सिंह, अजय बैगा,अमन यादव,ओम साहू,चंदन कुशावाहा, शिवम तिवारी, दीपक साहू,सुमित सेंगर सहित काफी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

दुर्गोत्सव की मय्य तैयारियों को लेकर मातृभूमि सेवा समिति की बैठक संपन्न, नई कार्यकारिणी घोषित

स्व. घनश्याम दास जेठानी की पावन स्मृति में समर्पित होगा इस वर्ष का विशाल भंडारा

शहडोल। वर्ष 1956 से समाज सेवा और धार्मिक आयोजनों की अनवरत अवरिल धारा बहा रही मातृभूमि सेवा समिति की एक अति महत्वपूर्ण बैठक बीते दिन सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। आगामी दुर्गोत्सव की तैयारियों की समीक्षा, विशाल महाप्रसाद (भंडारा) का भव्य आयोजन और समिति के सुचारु संचालन को लेकर बैठक में गंभीर मंथन किया गया।

अश्रुपूरित नयनों से दी श्रद्धांजलि

बैठक का शुभारंभ बेहद भावुक क्षणों के साथ हुआ। समिति के सदस्यों ने अपने वरिष्ठ संरक्षक स्व. घनश्याम दास जेठानी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष का महाप्रसादी भंडारा पूर्णतः स्व. घनश्याम दास जेठानी की पावन स्मृति में आयोजित किया जाएगा।

नवेली कार्यकारिणी का ऐलान

दुर्गोत्सव और सामाजिक गतिविधियों को गति देने के लिए सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में संरक्षक मंडल में राकेश ताप्रकार, द्वारका सोनी, राजेंद्र तिवारी, पुरुषोत्तम सोनी, फखरुद्दीन बोहरा, जसबीर सिंह, द्वारका ताप्रकार, अजीत जैन, आशीष जैन एवं अनिल जैन को शामिल किया गया, सत्येन्द्र कुमार सोनी को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पुष्कर महाजन, सचिव अंकुर श्रीवास्तव एवं आयुष ताप्रकार (राजुल)। सह सचिव प्रतीक सराफ एवं उज्जवल ताप्रकार, कोषाध्यक्ष सुभाष सराफ, साकेत



गुप्ता एवं शशांक ताप्रकार। सह कोषाध्यक्ष संस्कार ताप्रकार एवं सूरज पाटकर को बनाया गया है।

सुचारु संचालन के लिए उप-समितियों की घोषणा

कार्यक्रम के अनुशासन और भव्यता को बनाए रखने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। मंच सज्जा समिति में दीपक ताप्रकार, कुशलदीप, रवि बर्मन, अभिराज यादव, ऋषभ साहू, अनुराग यादव, आकाशदीप सराफ, लिकेश, वंश, अनाय सेन, अनिमेष, सौरभ और कार्तिकेय ताप्रकार शामिल हैं, वहीं पूजा समिति में उमाकांत ताप्रकार एवं पार्थ द्विवेदी, भंडारा समिति में पुरुषोत्तम सोनी, राजेन्द्र तिवारी, इंद्रपाल सिंह, अमित जैन, अभिषेक बडैरिया, बृजलाल सेन, इंद्रजीत सेन, राहुल, शुभम, प्रशांत, निशांत, प्रखर, राघव, शौर्य व लक्ष्मीकांत ताप्रकार, प्रयाग महाजन, जय गुप्ता, भीम गुप्ता, बालकृष्ण द्विवेदी, कृष्ण कुमार उपाध्याय, नितिन व रोमिल जैन, सार्थक, आदित्य व शुभ सराफ, आरव सोनी (बाबू), अमित ताप्रकार, शिवांश गुप्ता तथा युवराज बडैरिया के नाम शामिल हैं। बैठक के अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार सोनी ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि पूरी टीम एकजुट होकर इस वर्ष के दुर्गोत्सव और भंडारे को ऐतिहासिक व स्मरणीय बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगी।

मप्र राज्य सहकारी

अपेक्स बैंक के प्रशासक

आज आएंगे उमरिया

उमरिया। मप्र राज्य सहकारी अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव एक दिवसीय भ्रमण पर 30 सितंबर को उमरिया आएंगे । श्री यादव 30 सितंबर को प्रातः 8.30 बजे डिंडौरी से प्रस्थान कर प्रातः 10.30 बजे उमरिया पहुंचेंगे। प्रातः 11 बजे से जनप्रतिनिधियों से भेंट करने के उपरांत दोपहर 12.30 बजे से कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित बलराम महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे तत्पश्चात दोपहर दोपहर बाद 3.30 बजे उमरिया से कटनी के लिए प्रस्थान करेंगे ।

जगन्नाथपुरी यात्रा के लिए ट्रेन 8 अक्टूबर को होगी रवाना



उमरिया। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जगन्नाथपुरी के लिए स्पेशल ट्रेन 8 अक्टूबर को रवाना होगी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की उपस्थिति में जिले से 150 तीर्थ यात्रियों की सूची का रेंडमाइजेशन किया गया । उल्लेखनीय है कि तीर्थ यात्रा के लिए 647 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 150 तीर्थ यात्री जगन्नाथपुरी जाएंगे। इस सूची में 15 तीर्थ यात्रियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होगी

नुक़ड नाटक की गतिविधि

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों के साथ-साथ हाट बाजारों में शासन की विभिन्न योजनाओ का स्थानीय बोलचाल की भाषा में प्रचार प्रसार के उद्देश्य से नुक़ड नाटक मंडलियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 30 सितंबर को पाली, नौरोजाबाद, घुनघुटी, अमिलिहा में, 1 अक्टूबर को मानपुर, ताला एवं बरबसपुर में, 2 अक्टूबर को अमरपुर, इंदवार एवं चिल्हारी में तथा 3 अक्टूबर को सांदिपनी विद्यालय करकेली, करकेली विकासखंड मुख्यालय तथा रानी दुर्गावती भवन उमरिया में नुक़ड नाटक के माध्यम से शासन की योजनाओ की जानकारी आम जनों को दी जाएगी।

युवा संगम रोजगार मेला

का आयोजन आज

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन मे 30 सितंबर को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया गया है। मेले में राकवा प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड, फूड क्रोफ़ज इंस्टीट्यूट शहडोल, श्री राम फायर्नेस, रस्तोगी स्क्रिल्स भिलाई, प्रथम एजुकेशन जबलपुर, वर्धमान मंडी दीप भोपाल, एलआईसी उमरिया, ग्रेट आग्रेनिक डायमंड पंत0 लिमिटेड , परफेक्ट सलूशन सर्विसेज अहमदाबाद, गोल्डन आग्रेनिक एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, विन्चग्रुप एस जाब प्लेसमेंट रीवा, एस आई एस प्रशिक्षण केंद्र अनूपपुर, नेयर क्रांप साईंस प्राइवेट लिमिटेड की कंपनी शामिल होगी।

जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की बैठक आज

उमरिया। जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की फिजिकल बैठक का आयोजन 30 सितंबर को प्रातः 11 बजे से कलेक्टर सभागार मे किया गया है।कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्व संविधतों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

भालूमाड़ा के दो फुटबॉल सितारों का राज्य स्तर पर चयन

बदरा/जमुना। पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र हितेश हथगेन एवं मोहम्मद सेफ का अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता में राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी अब इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अनूपपुर जिले की ओर से प्रदेश स्तर पर अपना प्रदर्शन करेंगे। दोनों छात्रों के राज्य स्तर पर चयन की जानकारी मिलते ही विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने खुशी का माहौल है। छात्रों ने जिला स्तर की प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल, अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन के दम पर राज्य स्तरीय टीम में स्थान बनाया है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। हितेश हथगेन और मोहम्मद सेफ का चयन विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। राज्य स्तर पर दोनों खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय की खेल प्रतिभाओं को एक नई पहचान मिली है। विद्यालय के खेल शिक्षक देवेन्द्र तिवारी ने दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने नियमित अभ्यास और मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी इंदौर में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं अनूपपुर जिले का नाम रोशन करेंगे। प्राचार्य सतीश सिंह ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर मिल सकें। दोनों खिलाड़ियों के राज्य स्तर पर चयन से भालूमाड़ा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को लेकर उत्साह बढ़ा है। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं क्षेत्रवासियों ने हितेश हथगेन और मोहम्मद सेफ को शुभकामनाएं देते हुए इंदौर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए सफलता की कामना की है।

ग्राम पंचायत गिरुई खुर्द में 10 लाख की सड़क बनी मलाईदार योजना कागज़ों पर दौड़ी सड़क, फर्जी बिलों पर नेताजी की बाछें खिलीं!

गिट्टी-सीमेंट के नाम पर लाखों का हो चुका है भुगतान

शहडोल। विकास के नाम पर जनहित के पैसे की कैसे सुनियोजित डकैती डाली जाती है, इसका मुकम्मल नमूना देखना हो तो जनपद पंचायत जयसिंहनगर की ग्राम पंचायत गिरुई खुर्द चले आइए। यहां अनुसूचित जनजाति सघन बस्ती विकास योजना के तहत बनने वाली एक सीसी सडक कागज़ों पर तो रफ्तार पकड़ चुकी है, लेकिन धरातल पर खेल कुछ ऐसा चल रहा है कि सड़क बने न बने, नेताजी और उनके चहेते कारिंदों की जेबें जरूर लबालब हो चुकी हैं। कहावत है कि अंधेर नगरी, चौपट राजा, लेकिन गिरुई खुर्द में तो अंधेर पंचायत, चतुर नेताजी का सिक्का जमा हुआ है। यहां सत्ता की धौंस और प्रशासनिक मेहरबानी का ऐसा घालमेल है कि बिना सडक बने ही सत्ताधरों के खातों में लाखों रुपयों की गंगा बह रही है।

गिट्टी-सीमेंट के नाम पर वारे-न्याये

मामला कुआरे बैगा के घर से पंचायत भवन की ओर जाने वाली सीसी सडक का है। 8 मार्च 2026 को इस सडक के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की रकम स्वीकृत हुई थी। नियम-कायदों का



पुलंदा कहता है कि इस 10 लाख में से 8 लाख 50 हजार रुपये के कंक्रीट, सीमेंट, गिट्टी और बालू जैसी सामग्री पर खर्च होने हैं, जबकि 1.5 लाख रुपये गरीब मजदूरों की पसीने की कमाई के तौर पर तय किए गए थे। लेकिन साहब जब घर की मुर्गी दाल बराबर हो और चाबी अपनी जेब में हो, तो नियमों को ठेंगे पर रखना कौन सी बड़ी बात है? सडक की एक गिट्टी भले न बिछी हो, लेकिन अब तक 2 लाख 53 हजार 350 रुपये का सरकारी खजाना खाली किया जा चुका है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 118 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने 118 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित कर विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संतोषी कुशवाहा ने विकलांग पुत्री के पालन हेतु रसोईया का कार्य दिलाने, मुबारक अली ग्राम धनपुरी जिला शहडोल ने कंचनपुर तहसील करकेली स्थित पुस्तेनी जमीन का बंटवारा कराने, इंद्रवती गौतम कसेरू ने वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, रूद्र प्रताप रैदास महरोई ने संबल के तहत अनुग्रह सहायता राशि दिलाने, टेकचंद चौधरी मानपुर ने इलाज हेतु आर्थिक सहायता दिलाने, संकुलता बाई चौधरी चंदिया ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, धनीराम सिंह राठौर महुड़ा ने जमीन विवाद का निराकरण कराने,



पंचम सिंह लामन, जयपाल सिंह मुन्नी बाई , पार्वती बाई दुलहरी ने सिंचाई बांध निर्माण मे अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाने, आसमां बेगम रमपुरी ने फरवरी 2026 से पेंशन नही मिलने, रामनारायण त्रिपाठी अमरपुर ने आधार कार्ड सुधरवाने संबंधी आवेदन दिये। इसके साथ ही अन्य आवेदकों द्वारा पेंशन भुगतान , राजस्व संबंधी कार्यों एवं खाद्यान्न वितरण से संबंधित आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए । कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को

प्राप्त आवेदनों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने घुलघुली सहित आस पास के चार विद्यालयो में शिक्षकों के समय पर न पहुंचने की ग्रामीण जनों की शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रिया अग्रवाल ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी । इस दौरान विभिन्नक विभागो के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाल अधिकार संगठन ने कहा-ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने यौन शोषण

नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का हार्ड ने किया स्वागत

कोतमा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों की पहुंच और उनकी ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट (हाई) ने स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय कानूनों का प्रभाव पालन जरूरी है। शहडोल एवं अनूपपुर में बाल अधिकारों के संरक्षण को लेकर जमीनी स्तर पर अभियान चला रहे हाई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाने की संभावना पर विचार करने को कहा है, जिनके तहत नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन अनिवार्य हो। यह मामला भारतीय समाज संगठनों के नेतृक जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस (जेआरसी) की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका में डिजिटल प्लेटफॉर्म को नाबालिगों को ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। हाई के निदेशक



सुशील कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों के अनुरूप संचालित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दुनिया में नाबालिगों के सामने कई तरह के खतरे हैं। बच्चों को बहला-फुसलाकर यौन शोषण, मानव तस्करी और सेक्सटॉर्न जैसे अपराधों में फंसाए जाने का खतरा रहता है। इसके अलावा निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर बुलिंग जैसी समस्याएं भी गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता खुल सकता है। याचिका पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमल्य बागची और न्यायमूर्ति वीणु मोहन भी

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

हरिभूमि

6

फर्मों पर मेहरबानी: बिना काम, बिल पास!

पैसा निकालने का यह अनूठा जादूई खेल देखकर तो कॉर्पोरेट जगत के बड़े-बड़े सीए भी अपना सिर पीट लेंगे। जुलाई महीने में मेसर्स धीरज ट्रेडर्स नाम की फर्म को गिट्टी के नाम पर जीएसटी समेत पूरे 69,825 रुपये का भुगतान कर दिया गया। ठीक दो महीने बीतते-बीतते मेसर्स बृजेन्द्र एण्ड ब्रदर्स नामक एक अन्य फर्म पर मेहरबानी बरसाई गई। उन्हें दो क्रिस्तों में पहले 84,075 रुपये और फिर 99,450 रुपये का बिल भुगता दिया गया। मजेदार बात यह है कि जमीन पर सड़क का नामो-निशान दूढ़ने से भी नहीं मिलता, लेकिन कागजी रजिस्ट्रों में गिट्टी की गाड़ियां धड़ाधड़ खाली हो रही हैं। धीरज ट्रेडर्स से लेकर बृजेन्द्र ब्रदर्स तक, सबको समय पर सेवा शुल्क पहुंचा दिया गया है।

बिना ठेके के रेत कहां से आई

यहां एक ऐसा सवाल भी खड़ा होता है, जो अगर ईमानदारी से पूछा जाए तो कई आकाओं की नोंद उड़ा सकता है। पूरा जिला जानता है कि शहडोल में रेत खदानों का कोई वैध ठेका संचालित नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि नेताजी की शह पर बन रही इस सड़क के लिए रॉयल्टी वाली वैध रेत कहां से आ रही है? क्या नदियां रातों-रात बिना



रॉयल्टी के वैध रेत उगल रही हैं या फिर अवैध उत्खनन की काली रेत को सरकारी बिलों में उजला बनाकर बेचा जा रहा है? अगर उक्त फर्मों की खरीदी-विक्री और खनिज सप्लाई की रॉयल्टी रसीदों का मिलान कर लिया जाए, तो दूध का दूध और पानी का पानी होते देर नहीं लगेगी।

बिना सचिव के चल रही दुकान

गिरुई खुर्द पंचायत में यह सारा खेल इसलिए भी बेखोफ़ चल रहा है क्योंकि यहां स्थाई सचिव का

शैक्षणिक संस्थाओं से 100 मीटर की परिधि में संकेतक लगाना सुनिश्चित करें: कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता एनर्कोई समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। जिले में नशामुक्त वातावरण बनाने एवं बच्चों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एनर्काई समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने निर्देश दिए कि विद्यालयों के बाहर 100 मीटर की परिधि में संकेतक लगाया जाना सुनिश्चित करें ताकि उस परिधि में पान, गुटखा एवं अन्यक नशील पदार्थों से संबंधित दुकानों एवं ठेलों आदि के संचालन के विरुद्ध कार्यवाही की जा सके। उन्होने नशीले पदार्थों के विक्रय व उनके उपयोग को प्रतिबंधित करने के लिए प्रशासन , पुलिस एवं स्कूलश शिक्षा विभाग के संयुक्त दल द्वारा लगातार भ्रमण करने के भी निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के खेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी



दी जाए। बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर ही जागरूक बनाना आवश्यक है, जिससे वे नशे की प्रवृत्तियों से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।इसके साथ ही कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर एवं अन्य जनजागरूकता माध्यमों के जरिए आमजन को भी नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही नशामुक्त

वातावरण का निर्माण संभव है। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग अमन कुमार दुबे ने बताया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो में नुक़ड नाटक एवं अन्य गतिविधियो के माध्यम से नशे से दूर रहने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसकेसाथ ही शासन स्तर से नशा उन्मूलन के लिए आयोजित किए जाने अभियानों का भी संचालन किया जा रहा है।

गोविंदा कॉलोनी के सब-स्टेशन से केबल चोरी, 200 क्वार्टरों में छाया अंधेरा

कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र के वाई क्रमांक 12 एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली गोबिंदा कॉलोनी में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने धाबा बोल दिया। चोरों ने कॉलोनी के बिजली सब-स्टेशन को निशाना बनाते हुए वहां से कीमती केबल पार कर दी। इस चोरी की वारदात के बाद से कॉलोनी के लगभग 200 क्वार्टरों की बिजली पूरी तरह गुल हो गई है, जिससे स्थानीय निवासी परेशान हैं। जानकारी के अनुसार, चोरों ने सुनसान समय का फायदा उठाकर सब-स्टेशन का चैनल गेट काटकर अंदर प्रवेश किया और कटर व अन्य औजारों



की मदद से मुख्य सप्लाई केबल काट ले गए। सुबह जब घरों की बिजली गायब मिली और स्थानीय लोगों ने सब-स्टेशन का रुख किया, तब जाकर इस बड़ी चोरी का खुलासा हुआ। केबल चोरी होने के कारण पिछले कई घंटों से 200 से अधिक परिवारों को बिना बिजली के रहना पड़ रहा है। बिजली सप्लाई बंद होने से घरों में पानी की आपूर्ति भी ठप हो गई है, जिससे लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई है। स्थानीय निवासियों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश है। घटना की जानकारी तुरंत एसईसीएल प्रबंधन को दी गई है। सूचना मिलते ही सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची। एसईसीएल के तकनीकी अमलें द्वारा नई केबल लगाकर बिजली व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्र में जाह जगह कबाड़ की दुकान खुलेआम संचालित हो रही है जिसके कारण चोरी की घटनाएं बढ़ रही है विगत दिनों कोतमा नगर के मवेशी बाजार के पास चालू लाइन में बिजली का तार काटकर चोरी करते हुए एक व्यक्ति करंट की चपेट आ गया था जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। नागरिकों ने कोतमा नगर में संचालित अवैध रूप से संचालित कबाड की दुकानों पर कार्यवाही करते हुए बंद करवाये जाने की मांग की है।

5 अक्टूबर तक गूंजेगा भक्ति और ज्ञान का स्वर

श्री कल्याण सेवा आश्रम के सान्निध्य में अमरकंटक में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक में आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक भक्तिमय बनाने के उद्देश्य से श्री कल्याण सेवा आश्रम के सान्निध्य में 29 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक श्रीमद्भागवत कथा का भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में कथा वाचक पूज्य भाई संतोष सागर के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा का रसपात्र कराया जाएगा। इस सात

दिवसीय धार्मिक आयोजन का आयोजक ओमकार सेवा संस्थान चैरिटेबल ट्रस्ट है। मां नर्मदा की पावन धारा, अमरकंटक की आध्यात्मिक भूमि और श्रीमद्भागवत कथा के दिव्य प्रसंगों के संगम से यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर बनेगा। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। पूज्य संतोष सागर महाराज द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्ति, ज्ञान, धर्म, संस्कार और सदाचार से जुड़े प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को सनातन परंपरा के आध्यात्मिक संदेशों को आत्मसात



करने का अवसर मिलेगा। कथा श्रवण के साथ अमरकंटक की पावन भूमि पर भक्तिमय वातावरण निर्मित होगा। श्रीमद्भागवत कथा के साथ 29 सितंबर से 5 अक्टूबर तक पितृ तृपण यज्ञ का भी आयोजन किया जा रहा है। बैनर में

निधार्ित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 5 बजे से पितृ तृपण किया जाएगा। पितृ पक्ष के अवसर पर आयोजित यह अनुष्ठान पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्नानान परंपरा के भाव को रसगर्भित रहेगा। मां नर्मदा की पावन भूमि पर श्रद्धालु अपने पितरों के निमित तृपण कर धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बन सकेंगे। अमरकंटक में लंबे समय से धर्म, सेवा और आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले श्री कल्याण सेवा आश्रम के सान्निध्य से इस सात दिवसीय धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संस्था में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण, पितृ तृपण यज्ञ में सहभागिता और आध्यात्मिक वातावरण का लाभ लेने का आह्वान किया गया है। अमरकंटक की पावन धरती पर 29 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाला यह आयोजन भक्ति, ज्ञान, सेवा और संस्कारों का सुंदर संगम बनने जा रहा है।

कार्य करती रही हैं। श्रीमद्भागवत कथा और पितृ तृपण यज्ञ के माध्यम से श्रद्धालुओं को जहां भगवान की भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ मिलेगा, वहीं पितरों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का अवसर भी प्राप्त होगा। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं से इस सात दिवसीय धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संस्था में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण, पितृ तृपण यज्ञ में सहभागिता और आध्यात्मिक वातावरण का लाभ लेने का आह्वान किया गया है। अमरकंटक की पावन धरती पर 29 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाला यह आयोजन भक्ति, ज्ञान, सेवा और संस्कारों का सुंदर संगम बनने जा रहा है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में माता शबरी की प्रतिमा पर सवाल

जनजातीय अस्मिता से खिलवाड़ या शैक्षणिक लापरवाही?

प्रतिमा के स्वरूप और नामकरण का आधार सार्वजनिक करने की मांग

अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित एक प्रतिमा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सिर पर टोकरी और गोद में शिशु लिए महिला की आकृति को माता शबरी के नाम से जोड़े जाने पर उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक आधार को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जनजातीय समाज की पहचान और सांस्कृतिक स्मृति से जुड़े इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन को स्पष्ट करना होगा कि प्रतिमा का स्वरूप किस अध्ययन और प्रमाण के आधार पर तय किया गया तथा नामकरण की प्रक्रिया में किन विशेषज्ञों से राय ली गई।

अनूपपुर। जनजातीय समाज के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और ज्ञान के संरक्षण के उद्देश्य से स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में परिसर की एक प्रतिमा अब शैक्षणिक गंभीरता और सांस्कृतिक प्रस्तुति को लेकर सवालों के घेरे में है। महिला की आकृति सिर पर टोकरी और गोद में शिशु लिए दिखाई देती है और इसे माता शबरी के नाम से जोड़ा बताया जा रहा है। यही प्रस्तुति अब चर्चा का विषय बन गई है। सवाल सीधा है क्या इस प्रतिमा को माता शबरी के रूप में प्रस्तुत करने के पीछे कोई प्रमाणित ऐतिहासिक,

8 साल पुराने लोन विवाद में कुर्की की नौबत टली, 1.19 लाख में हुआ समझौता न्यायालय के आदेश पर कुर्की के लिए पहुंची टीम, मौके पर जमा हुई एकमुश्त राशि



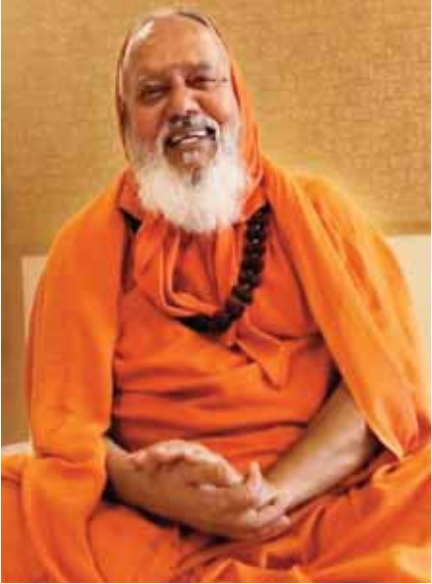
अनूपपुर। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े करीब आठ साल पुराने ऋण विवाद में मंगलवार को न्यायालयीन कुर्की की कार्रवाई के दौरान उस समय नया मोड़ आ गया, जब ऋणी द्वारा मौके पर 1 लाख 19 हजार रुपये जमा किए जाने के बाद कंपनी ने मामले का अंतिम निपटारा स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही

घर-दुकान के सामान की प्रस्तावित कुर्की की कार्रवाई टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित गुप्ता ने 15 फरवरी 2016 को श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड की अनूपपुर शाखा से करीब 2.10 लाख रुपये का ऋण लेकर स्कॉर्पियो वाहन खरीदा था। ऋण की किरतों का भुगतान समय पर नहीं होने के बाद कंपनी ने वाहन

जब्त कर लिया था। इसके बावजूद बकाया राशि का निपटारा नहीं हो सका, जिसके बाद कंपनी ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर जारी कुर्की वारंट के पालन में मंगलवार को अमीन एवं पुलिस बल की टीम ऋणी के घर-दुकान पहुंची। कार्रवाई के दौरान घरेलू सामान, जिसमें टीवी और

कूलर सहित अन्य सामग्री शामिल थी, की कुर्की की प्रक्रिया शुरू की जानी थी। मौके पर श्रीराम फाइनेंस के शाखा प्रबंधक प्रतीक मिश्रा, फील्ड ऑफिसर ऋषभ पटेल, पंकज शर्मा तथा कंपनी की ओर से अधिवक्ता नीरज नायक मौजूद रहे। कुर्की की कार्रवाई के बीच दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हुई। कंपनी के अधिवक्ता नीरज नायक की पहल के बाद ऋणी अमित गुप्ता ने 1 लाख 19 हजार रुपये की एकमुश्त राशि जमा कराई। कंपनी द्वारा राशि स्वीकार किए जाने के बाद मामले को मौके पर ही अंतिम समझौते के रूप में समाप्त कर दिया गया। इस तरह न्यायालयीन कुर्की की कार्रवाई आगे बढ़ने से पहले ही मामला आपसी सहमति से सुलझ गया। आठ साल से लंबित ऋण विवाद के निपटारे के साथ घर-परिवार के सामान की कुर्की की स्थिति भी टल गई।

श्री कल्याण सेवा आश्रम अयोध्या में धर्म और शिक्षा का मत्त्य संगम, 5 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह



अमरकंटक।

धर्म, अध्यात्म और संस्कृत शिक्षा की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक की शाखा श्री उदसीन संत ऋषि आश्रम परिवार, रानोपाली, श्री अयोध्या जी में धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के अंतर्गत संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के साथ श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नवीन भवन का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम 27 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, धर्म, सदाचार और सनातन जीवन-मूल्यों का संदेश दिया जाएगा। कथा का वाचन डॉ. स्वामी शिवचन्द्र दास जी महाराज द्वारा किया जाएगा।

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, जैतहरी



को दस्तावेजों और शोध के आधार पर स्पष्ट करे।

जनजातीय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक पहचान का सवाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की पहचान ही जनजातीय समाज के इतिहास, संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं के अध्ययन से जुड़ी है। ऐसे संस्थान के परिसर में स्थापित किसी भी सांस्कृतिक प्रतीक की प्रस्तुति सामान्य सजावटी व्यवस्था का विषय नहीं रह जाती, बल्कि वह संस्थान की वैचारिक और शैक्षणिक दृष्टि का हिस्सा बनती है। सवाल उठता है कि प्रतिमा की स्थापना से पहले क्या इतिहासकारों, जनजातीय संस्कृति के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं या संबंधित विषय के अध्येताओं से राय ली गई थी? क्या प्रतिमा की अवधारणा, कलाकार की परिकल्पना और नामकरण से संबंधित कोई दस्तावेज उपलब्ध है? यदि विशेषज्ञ समिति ने इसे स्वीकृति दी थी तो उसके निष्कर्ष सार्वजनिक किए जानें चाहिए।

क्या गलत प्रस्तुति से जा सकता है गलत संदेश?

किसी भी समाज के सांस्कृतिक प्रतीक केवल पत्थर या धातु की आकृतियां नहीं होते। वे उस

समाज की स्मृति, आस्था और पहचान से जुड़े होते हैं। इसलिए किसी पूजनीय या प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के चित्रण में तथ्यात्मक स्पष्टता महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि शोध के बाद यह सामने आता है कि प्रतिमा का स्वरूप और उससे जोड़ा गया नाम अलग-अलग सांस्कृतिक संदर्भों से संबंधित हैं, तो विश्वविद्यालय को इसे स्पष्ट करना चाहिए। वही, बिना प्रमाण यह निष्कर्ष निकालना भी उचित नहीं होगा कि ऐसी प्रस्तुति जानबूझकर जनजातीय समाज को कमतर दिखाने के उद्देश्य से की गई। लेकिन आशंका उठने की स्थिति में उसे दूर करने की जिम्मेदारी संस्थान की ही है।

क्यों नहीं पड़ी जिम्मेदारों की नजर?

सबसे बड़ा सवाल विश्वविद्यालय की आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया पर है। प्रतिमा की अवधारणा किसने तैयार की? निर्माण किसके माध्यम से कराया गया? स्थापना की स्वीकृति किस स्तर पर हुई? और इसे माता शबरी के नाम से जोड़ने का निर्णय किस आधार पर लिया गया? क्या इस संबंध में कोई प्रस्ताव, शोध-पत्र, संदर्भ सामग्री, विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा अथवा प्रशासनिक दस्तावेज मौजूद है? यदि मौजूद है तो उसे सार्वजनिक करने में आपत्ति क्या है? और यदि ऐसा कोई शोध या समीक्षा

नहीं हुई, तो इतने महत्वपूर्ण सांस्कृतिक प्रतीक के मामले में शैक्षणिक प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाई गई?

अब विश्वविद्यालय को देना होगा स्पष्ट जवाब

मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन को प्रतिमा के निर्माण, स्थापना और नामकरण से संबंधित तथ्यों को सार्वजनिक करना चाहिए। जरूरत हो तो इतिहास, धर्म-अध्ययन और जनजातीय संस्कृति के विशेषज्ञों की समिति गठित कर प्रतिमा की समीक्षा कराई जा सकती है। यदि शोध में नाम और स्वरूप के बीच विसंगति सामने आती है तो विश्वविद्यालय को उचित सुधार की पहल करनी चाहिए। यदि प्रतिमा किसी अन्य लोकपरंपरा या जनजातीय सांस्कृतिक संदर्भ को दर्शाती है, तो उसका सही परिचय और संदर्भ परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। मुद्दा किसी व्यक्ति या संस्था पर आरोप लगाने का नहीं है। सवाल इतना भर है कि जिस विश्वविद्यालय की बुनियाद ही जनजातीय संस्कृति और ज्ञान पर आधारित है, उसके परिसर में स्थापित सांस्कृतिक प्रतीकों की पहचान और प्रस्तुति भी उतनी ही प्रमाणिक, शोधपरक और पारदर्शी हो।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण, रेडक्रॉस ने बांटी जरूरी सामग्री



अनूपपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा अनूपपुर द्वारा वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान रेडक्रॉस की टीम ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी और

आयोजित शिविर में वृद्धजनों की गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), रक्तचाप, रक्त शर्करा और नेत्र संबंधी जांच की गई। जरूरत के अनुसार ग्लूकोज, इलेक्ट्रॉल और फलों का वितरण किया गया। रेडक्रॉस कार्यकर्ताओं ने वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं भी जानीं। रेडक्रॉस के सचिव डॉ. देवेंद्र तिवारी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सेवा और सहयोग पहुंचाना है। वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम इसी उद्देश्य के तहत सेवा, संवेदना और सम्मान की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस जिला प्रतिनिधि कमलाकर गौतम, बरबसपुर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अस्मिता पटेल एवं अनुसुइया मरावी

अब हफ्ते में दो दिन दौड़ेगी अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस, 4 अक्टूबर से बदलेगा संचालन

रेलवे का बड़ा फैसला, यात्रियों को मिलेगा सप्ताह में एक अतिरिक्त फेरा

अनूपपुर। अंबिकापुर से हजरत निजामुद्दीन के बीच सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी सुविधा का रास्ता खोल दिया है। ट्रेन संख्या 22407/22408 अंबिकापुर हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस अब सप्ताह में एक दिन के बजाय दो दिन दौड़ेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इस ट्रेन की प्रीक्वेसी बढ़ाकर साप्ताहिक से द्वि-साप्ताहिक करने का आदेश जारी कर दिया है।

नई व्यवस्था अक्टूबर के पहले सप्ताह से लागू होगी। अब तक 22408 हजरत निजामुद्दीन अंबिकापुर एक्सप्रेस का संचालन मंगलवार को होता था। रेलवे के नए आदेश के बाद यह ट्रेन रविवार और मंगलवार को चलेगी। यानी 4 अक्टूबर से निजामुद्दीन से



आंबिकापुर के लिए सप्ताह में एक अतिरिक्त फेरा उपलब्ध होगा। इसी तरह 22407 अंबिकापुर हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस अब सिर्फ गुरुवार को नहीं, बल्कि मंगलवार और गुरुवार को चलेगी। अंबिकापुर से नई व्यवस्था का पहला अतिरिक्त फेरा 6 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। रेलवे के आदेश की खास बात यह है कि प्रीक्वेसी

बढ़ाने के बावजूद ट्रेन को मौजूदा परिचालन व्यवस्था में बदलाव नहीं किया गया है। मार्ग, समय, कोच संरचना, ठहराव और रखरखाव व्यवस्था पहले की तरह ही रहेगी। बदलाव सिर्फ संचालन के दिनों की संख्या में किया गया है। नई व्यवस्था के तहत 4 अक्टूबर से निजामुद्दीन से रविवार और मंगलवार, जबकि 6 अक्टूबर से

13 पंच पदों में नहीं हुई चुनाव प्रक्रिया, 9 पंच निर्विरोध चुने गए

अनूपपुर। जिले की चारों जनपद पंचायतों में पंचायत उपचुनाव के तहत 13 पंच पदों पर चुनाव प्रक्रिया नहीं हुई। 29 सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए 15 सितंबर तक नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इनमें से 9 पंच पदों पर एक-एक नामांकन प्राप्त होने के कारण संबंधित प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया, जबकि चार पदों पर किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बलवीर रमण ने बताया कि जिले में 9 स्थानों पर एकल नामांकन प्राप्त होने के बाद पंचों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। वहीं चार स्थान रिक्त रह गए हैं। निर्विरोध निर्वाचित प्रत्याशियों को 5 अक्टूबर को तहसील स्तर पर निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। अनूपपुर जनपद पंचायत की छिप्रा ग्राम पंचायत में वार्ड क्रमांक 17 से गुड्डिगि गौड, वार्ड 19 से दशरथ बैगा, आमाडांड ग्राम पंचायत के वार्ड 5 से गायत्री गौड, वार्ड 16 से रूपा पाव, देवहरा ग्राम पंचायत के वार्ड 8 से महेश चर्मकार तथा मुंडुधोवा ग्राम पंचायत के वार्ड 9 से पुनिया बाई निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। इसी प्रकार जैतहरी जनपद पंचायत की क्योटार ग्राम पंचायत के वार्ड 5 से चंपा बाई राठौर तथा पिपरिया ग्राम पंचायत के वार्ड 16 से श्यामलाल कोल निर्विरोध चुने गए। पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत झूटौर के वार्ड क्रमांक 7 से धीरज सिंह भी निर्विरोध विजयी हुए हैं।

